महाभाष्यम चित्तरंजन

संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कारः
संगीत की अन्य प्रमुख परंपराएँ (सुगम संगीत)

MAHABHASHYAM CHITTARANJAN

Sangeet Natak Akademi Amrit Award: Other Major Traditions of Music (Sugam Sangeet)

आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम में 11 दिसंबर 1939 को जन्मे, श्री महाभाष्यम चित्तरंजन का संबंध एक संगीतकार घराने से है। आप तेलुगु के लोकप्रिय सुगम संगीत गायक, संगीतकार और गीतकार हैं। आपने एम. पेरिन देवी, पी. सुब्बा राव और मंगलमपल्ली बालमुरली कृष्णा जैसे गुरुओं से कर्नाटक संगीत का प्रशिक्षण प्राप्त किया। तदोपरांत, आपने हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत, पश्चिमी संगीत और सुगम संगीत का अध्ययन भी किया है।

जन्मजात प्रतिभा के धनी, श्री महाभाष्यम चित्तरंजन ने सन् 1954 में महज 8 साल की उम्र में हैदराबाद के डेक्कन रेडियो के लिए गाना शुरू कर दिया था। सन् 1972 में आप आकाशवाणी के 'ए' श्रेणी के गायक बने। आपने कई मशहूर गीतकारों और संगीतकारों के लिए गीत गाए हैं। सन् 1998 में, आपको प्रसार भारती द्वारा 'टॉप ग्रेड लाइट म्यूजिक कंपोजर' के रूप में मान्यता दी गई थी। कर्नाटक, हिंदुस्तानी और पश्चिमी संगीत में निष्णात होने के कारण आप तेलुगु, संस्कृत, तमिल, कन्नड़, मराठी और उर्दू भाषाओं में भी सहज ही संगीत रचना करने में सक्षम हैं। आपके गायन में विविधता है। इस सूची में सुगम संगीत, लोक संगीत, रवीन्द्र संगीत, भक्ति संगीत, गजल, यक्षगान, नृत्य और संगीत बैले भी शामिल हैं। आपने कर्नाटक और हिंदुस्तानी संगीत के 174 रागों में भगवद् गीता को संगीतबद्ध किया है। महाभाष्यम चित्तरंजन ने अब तक 15,000 से अधिक गीतों की रचना की है और 8000 से अधिक गीत गाए हैं।

श्री महाभाष्यम चित्तरंजन को वर्ष 2008 में आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा कलारत्न और श्रीलंका के ओपन इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ कोलंबो से डॉक्टरेट की मानद उपाधि सहित कई पुरस्कार और उपाधियाँ प्राप्त हुई हैं।

सुगम संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए श्री महाभाष्यम चित्तरंजन को संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कार से सम्मानित किया जाना था किंतु 21 जुलाई 2023 को उनका देहांत हो गया, अतः यह पुरस्कार उनको मरणोपरांत दिया जा रहा है।

Born on 11 December 1939 in Machilipatnam, Andhra Pradesh, Shri Mahabhashyam Chittaranjan hails from a musical family and is a popular Telugu light music singer, music composer and lyricist. Trained in Carnatic music under M. Perin Devi, P. Subba Rao, and Mangalampalli Balamurali Krishna, he has also studied Hindustani classical music, western music, and Sugam Sangeet.

A child prodigy, Shri Mahabhashyam Chittaranjan started to sing for Deccan Radio of Hyderabad at the age of 8 years in 1954. In 1972, he joined the All India Radio as an 'A' Grade singer. He has sung for many noted lyricists and composers. In 1998, he was accredited as 'Top Grade light music composer' by Prasar Bharati. His knowledge of Carnatic, Hindustani and Western music, allowed him to compose in, besides Telugu, Sanskrit, Tamil, Kannada, Marathi and Urdu languages. His repertoire includes light music, folk music, Rabindra Sangeet, devotional music, ghazal, Yakshagana, dance and musical ballets, and he has even composed *Bhagavad Gita* in 174 ragas in both Carnatic and Hindustani music. To date, Mahabhashyam Chittaranjan has composed over 15,000 songs and sung over 8000 songs.

Shri Mahabhashyam Chittaranjan is the recipient of several awards and titles including the Kalarathna by the Andhra Pradesh State Government in 2008, and an honorary doctorate from the Open International University of Colombo, Sri Lanka.

Shri Mahabhashyam Chittaranjan was to receive the Sangeet Natak Akademi Amrit Award in person for his contribution to Sugam Sangeet. To our deep regret, he passed away on 21 July 2023. The Award is bestowed on him posthumously.